Dainik Bhaskar
May 05, 2010

अंदेशा | नेचुरल रबर की कीमतों में भारी तेजी का टायर के मूल्य पर पड़ सकता है असर

25 फीसदी बढ़ सकते हैं टायर के दाम

बिजनेस भास्कर | नई दिल्ली

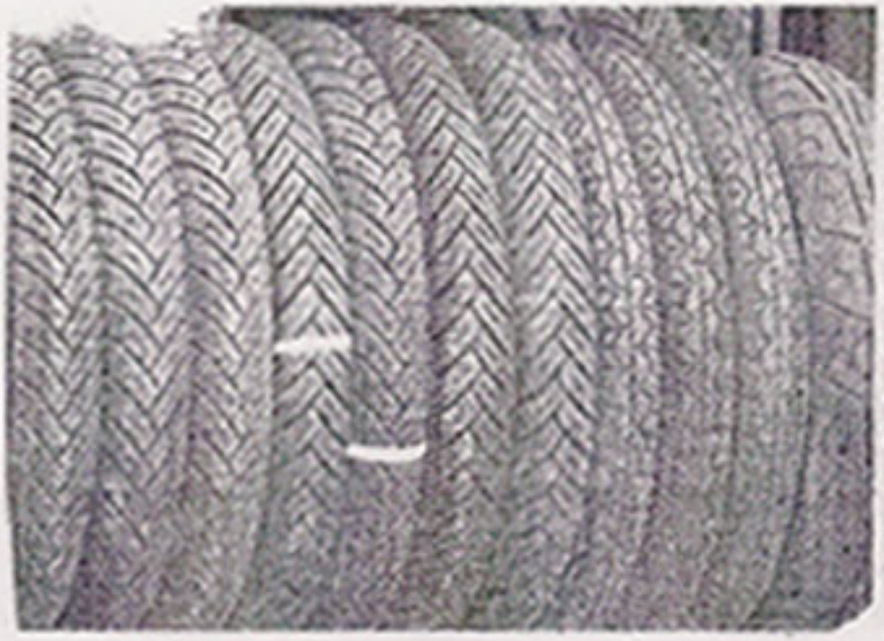

नेचुरल रबर की कीमतों में आई भारी तेजी से टायर के दाम में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है। ऑटोमोटिव टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए) के अध्यक्ष नीरज कंवर ने मंगलवार को दिल्ली में पत्रकारों को बताया कि दिसंबर-2008 से अभी तक नेचुरल रबर की कीमतों में 153 फीसदी की तेजी आ चुकी है। दिसंबर 2008 में कोच्चि में नेचुरल रबर का दाम 65 रुपये प्रति किलो था जबकि मंगलवार को भाव 160 रुपये प्रति किलो हो गया। लेकिन उद्योग ने टायर की कीमतों में अभी मात्र तीन से पांच फीसदी की ही बढ़ोतरी की है। अगर सरकार ने समस्या के समाधान के लिए कदम नहीं उठाया तो मजबूरन उद्योग को टायर के दाम बढ़ाने पड़ेंगे।

इस अवसर पर आल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एआईआरआईए) के अध्यक्ष टी के मुखर्जी ने कहा कि उद्योग को बचाने के लिए सरकार को नेचुरल रबर के आयात पर 20 फीसदी लगने वाले शुल्क को घटाकर शून्य कर देना चाहिए। तथा नेचुरल रबर के बायदा कारोबार पर रोक लगानी चाहिए। भारत से नेचुरल रबर के निर्यात पर भी रोक लगाई जाए। इसके साथ ही सार्वजनिक कंपनियों के माध्यम से दो लाख टन नेचुरल रबर का शुल्क रहित आयात किया जाये।

रबर बोर्ड के अनुसार वर्ष 2010-11 में नेचुरल रबर का उत्पादन 8.93 लाख टन होने का अनुमान है जोकि पिछले साल के 8.31 लाख टन से ज्यादा तो है लेकिन इस दौरान भारत 9.3 लाख टन से बढ़कर 9.73 लाख टन खपत होने की संभावना है।

कोच्चि में नेचुरल रबर का दाम 160 रुपये प्रति किलो चल रहा है जबकि विदेश में भाव भारत के मुकाबले ज्यादा है। विदेशी बाजार में नेचुरल रबर का भाव 170 रुपये प्रति किलो (भारतीय मुद्रा में) चल रहा है। ऐसे में शुल्क शून्य कर देने के बाद भी आयातित रबर महंगी पड़ेगी। इंडियन साईकिल एंड रिक्शा टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईसीआरटीएमए) के अध्यक्ष कमल ढल्ला ने कहा कि उत्पादन लागत में बढ़ोतरी होने से हमें टायरों की कीमतों में करीब 20 फीसदी की बढ़ोतरी करनी चाहिए थी। लेकिन साइकिल एवं रिक्शा चलाने वालों की आमदनी काफी कम है। इसलिए हमने उस अनुपात में टायरों की कीमतें नहीं बढ़ाई हैं लेकिन उद्योग भी एक सीमा तक ही सहन कर सकता है। इसलिए सरकार को जितनी जल्दी हो सके उद्योग को राहत देने के लिए कदम उठाने चाहिए।

समस्या

टायर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नीरज कंवर ने बताया कि दिसंबर-2008 से अभी तक नेचुरल रबर की कीमतों में 153 फीसदी की तेजी आ चुकी है। लेकिन उद्योग ने टायर की कीमतों में मात्र तीन से पांच फीसदी की ही बढ़ोतरी की है। अगर सरकार ने समस्या के समाधान के लिए कदम नहीं उठाया तो मजबूरन उद्योग को टायर के दाम बढ़ाने पड़ेंगे